

**Section A: वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQs & Assertion-Reason)**

प्रश्न 1. बाबू गोपालप्रसाद विवाह को एक 'बिजनेस' क्यों कहते हैं और वे बहू के रूप में कम पढ़ी-लिखी लड़की ही क्यों चाहते हैं?

- (क) क्योंकि वे अपनी वकालत की साख बढ़ाना चाहते हैं।  
(ख) क्योंकि वे बहू को दासी बनाकर रखना चाहते हैं ताकि वह उनके संकीर्ण विचारों के आगे चूँ न कर सके और नखरे न दिखाए।  
(ग) क्योंकि कम पढ़ी-लिखी लड़कियाँ अच्छा सितार बजाती हैं।  
(घ) क्योंकि उनके पास धन की भारी कमी थी।

प्रश्न 2. उमा द्वारा चश्मा लगाने का वास्तविक कारण क्या था, जिसे रामस्वरूप ने छिपाना चाहा?

- (क) दिन-रात अंग्रेज़ी के अखबार और पालिटिक्स की पुस्तकें पढ़ना।  
(ख) केवल सुंदर पेंटिंग और सिलाई का कड़ा काम करना।  
(ग) पिछले महीने अचानक आँखें दुखनी आ जाना, जिससे अस्थायी चश्मा लगा था।  
(घ) लड़के वालों के सामने अधिक आधुनिक दिखने का प्रयास।

प्रश्न 3. कथन-कारण प्रश्न (Assertion-Reason):

**कथन (A):** एकांकी के अंत में जब गोपालप्रसाद उमा को बी.ए. पास जानकर क्रोध में अपनी छड़ी उठाकर जाने लगते हैं, तो उमा उन्हें 'रीढ़ की हड्डी' जाँचने की सलाह देती है।

**कारण (R):** शंकर चरित्रहीन है, उसकी कमर झुकी है और उसका अपना कोई नैतिक व्यक्तित्व या आत्मबल नहीं है।

- (क) कथन A सही है, परंतु कारण R गलत है।  
(ख) कथन A गलत है, परंतु कारण R सही है।  
(ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है।  
(घ) कथन A और कारण R दोनों सही हैं, परंतु कारण R, कथन A की सही व्याख्या नहीं करता है।

प्रश्न 4. एकांकी के पात्रों का उनके सही चारित्रिक गुणों के साथ मिलान कीजिए:

स्तंभ 'क' (पात्र)
(1) उमा
(2) शंकर
(3) गोपालप्रसाद
(4) रामस्वरूप

स्तंभ 'ख' (चारित्रिक गुण / विशेषता)
(अ) चालाक, दकियानूसी विचारों वाला और लेन-देन का समर्थक
(ब) अंतर्द्वंद्व से घिरे आधुनिकता का ढोंग करने वाले पिता
(स) सशक्त, उच्च शिक्षित और स्वाभिमानी नारी चेतना
(द) रीढ़विहीन, चारित्रिक रूप से दुर्बल और डरपोक युवक

**Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)**

प्रश्न 5. जगदीशचंद्र माथुर का सर्वाधिक चर्चित और मंचित ऐतिहासिक नाटक कौन-सा है?

उत्तर - .....

.....

.....

प्रश्न 6. 'भीगी बिल्ली की तरह आना' मुहावरे का एकांकी के संदर्भ में क्या अर्थ है?

उत्तर - .....

**Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)**

प्रश्न 7. प्रेमा के अनुसार, पुराने ज़माने की स्त्रियाँ 'स्त्री-सुबोधिनी' पुस्तक पढ़कर बी.ए.-एम.ए. से बेहतर बातें कैसे सीख लेती थीं?

उत्तर - .....

प्रश्न 8. "मोर के पंख होते हैं, मोरनी के नहीं; शेर के बाल होते हैं, शेरनी के नहीं।" गोपालप्रसाद के इस कुतर्क के पीछे छिपी पुरुषवादी मानसिकता को स्पष्ट कीजिए.

उत्तर - .....

**Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)**

प्रश्न 9. "शिक्षा स्त्रियों का आभूषण है, कोई पाप या चोरी नहीं।" उमा के इस तार्किक कथन के आधार पर सिद्ध कीजिए कि कैसे शिक्षा स्त्रियों को समाज में गरिमापूर्ण स्थान दिलाने का सबसे बड़ा हथियार है.

उत्तर - .....

**Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)**

प्रश्न 10. आज के २१वीं सदी के आधुनिक समाज में भी कई स्थानों पर विवाह के समय लड़कियों को 'दिखाने' (नुमाइश करने) और दहेज जैसी कुरीतियाँ अप्रत्यक्ष रूप से मौजूद हैं। इसे पूरी तरह समाप्त करने के लिए आप युवा पीढ़ी के नाते क्या ठोस कदम उठाएँगे?

उत्तर - .....

## उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 1)

1. **उत्तर:** (ख) क्योंकि वे बहू को दासी बनाकर रखना चाहते हैं ताकि वह उनके संकीर्ण विचारों के आगे चूँ न कर सके और नखरे न दिखाए.
2. **उत्तर:** (ग) पिछले महीने अचानक आँखें दुखनी आ जाना, जिससे अस्थायी चश्मा लगा था.
3. **उत्तर:** (ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है.
4. **उत्तर मिलान:** (1) -> (स), (2) -> (द), (3) -> (अ), (4) -> (ब).
5. **उत्तर:** जगदीशचंद्र माथुर का सर्वाधिक चर्चित और लोकप्रिय नाटक 'कोणार्क' है.
6. **उत्तर:** इसका अर्थ है—भय के कारण पूरी तरह सहम जाना या दुबक जाना (जैसे रतन खाली हाथ रामस्वरूप के सामने आ रहा था).
7. **उत्तर:** प्रेमा का मानना था कि पुराने ज़माने की शिक्षा सरल थी. 'स्त्री-सुबोधिनी' जैसी पुस्तकों में घरेलू संस्कारों, पति-व्रत धर्म और गृहस्थी को कुशलता से चलाने की व्यावहारिक बातें लिखी होती थीं, जो आज की बी.ए.-एम.ए. की पढ़ाई में भी देखने को नहीं मिलतीं.
8. **उत्तर:** गोपालप्रसाद इस प्राकृतिक उदाहरण का सहारा लेकर यह सिद्ध करना चाहते हैं कि प्रकृति ने पुरुषों को स्त्रियों से श्रेष्ठ और उच्च बनाया है. उनके अनुसार ऊँची तालीम, अखबार पढ़ना और राजनीति केवल पुरुषों का कार्यक्षेत्र है, और स्त्रियाँ इसके योग्य बिल्कुल नहीं हैं. यह उनकी संकीर्ण लैंगिक भेदभाव वाली सोच को दिखाता है।
9. **उत्तर:** उमा साफ़ कहती है कि उसने बी.ए. पास करके कोई पाप या चोरी नहीं की है. शिक्षा ही वह आलोक है जो स्त्रियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाता है. शिक्षा के बल पर ही उमा के भीतर वह अदम्य आत्मबल और साहस आया कि वह गोपालप्रसाद जैसे समाज के 'अकडू ठेकेदारों' के सामने आँखें मिलाकर सच कह सकी और अपने चरित्र की गरिमा की रक्षा कर सकी. शिक्षित स्त्री कभी भेड़-बकरी की तरह नहीं बिकती, बल्कि समाज को सही दिशा देती है.
10. **उत्तर (HOTS - युवा पीढ़ी के कदम):** \* विवाह को 'बिजनेस' या लेन-देन का माध्यम बनाने वाले परिवारों का पूरी तरह सामाजिक बहिष्कार करना.
  - लड़कियों को आत्मनिर्भर (रोजगारपरक शिक्षा) बनाने पर बल देना ताकि वे विवाह के लिए किसी पर बोझ न बनें.
  - विवाह के समय लड़की को 'दिखाने' की रूढ़िवादी रस्म के स्थान पर दोनों पक्षों के समान आदर और संवाद की नई परंपरा शुरू करना।
  - दहेज माँगने वाले लड़कों और उनके बापों को समाज के सामने बेनकाब करना.



**Section A: अपठित गद्यांश एवं भाषा-बोध (Comprehension & Grammar)**

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सटीक उत्तर लिखिए: > "नारी शिक्षा और स्वावलंबन किसी भी सभ्य समाज की वास्तविक रीढ़ होते हैं। जब तक हम स्त्रियों को शिक्षा के समान अवसर नहीं देंगे, तब तक समाज का विकास एकांगी रहेगा। मुंशी प्रेमचंद और जगदीशचंद्र माथुर जैसे प्रगतिशील साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सदैव स्त्री-अधिकारों की वकालत की है। 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में उमा का चरित्र समाज की उस रूढ़िवादी मानसिकता के गाल पर करारा तमाचा है जो आज भी बेटियों को केवल घर की चहारदीवारी में मूक वस्तु बनाकर रखना चाहती है। स्त्रियों का शिक्षित होना केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे समाज को नैतिक साहस और आत्मबल प्रदान करने वाली एक युगांतरकारी क्रांति है।"

**प्रश्न 1. गद्यांश के अनुसार, किसी भी सभ्य समाज की 'वास्तविक रीढ़' किसे माना गया है?**

- (क) पुरुषों का अत्यधिक काबिल और ऊँची तालीम से युक्त होना.
- (ख) नारी शिक्षा, उनका स्वावलंबन और आत्मबल।
- (ग) विवाह के बाजार में की जाने वाली नाप-तोल की रस्म.
- (घ) कमरों में दरी, चद्दर और हारमोनियम सजाने का दिखावा.

**प्रश्न 2. "उनके पीछे-पीछे भीगी बिल्ली की तरह रतन आ रहा है।" वाक्य में प्रयुक्त 'पीछे-पीछे' पद व्याकरणिक दृष्टि से क्या है?**

- (क) संज्ञा पद
- (ख) पुनरुक्त क्रिया-विशेषण शब्द-युग्म
- (ग) विस्मयादिबोधक अव्यय
- (घ) विशेषण पद

**प्रश्न 3. 'दकियानूसी' और 'खिसियाहट' शब्दों में क्रमशः कौन-से प्रत्यय प्रयुक्त हुए हैं?**

- (क) ई और हट
- (ख) ऊसी और आहट
- (ग) सी और ट
- (घ) दकी और खिसि

**Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)**

**प्रश्न 4. "परमात्मा के यहाँ अक्ल बँट रही थी तो तू देर से पहुँचा था क्या?"—यह वाक्य रामस्वरूप ने किससे और किस संदर्भ में कहा था?**

उत्तर - .....

**प्रश्न 5. पाठ में आए 'अधीर' और 'निहायत' शब्दों के शब्दकोश के अनुसार प्रामाणिक अर्थ लिखिए.**

उत्तर - .....

**Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)**

**प्रश्न 6.** गोपालप्रसाद के अनुसार लड़कियों के हॉस्टल के इर्द-गिर्द चक्कर काटने पर उनके 'लाडले बेटे' शंकर की क्या दुर्दशा हुई थी?

उत्तर - .....

.....  
.....  
.....

**प्रश्न 7.** उमा ने अपनी तुलना 'दुकानदार की मेज़-कुर्सी' से करके समाज की विवाह व्यवस्था पर क्या तीखा कटाक्ष किया है?

उत्तर - .....

.....  
.....  
.....

**Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)**

**प्रश्न 8.** "बाबू रामस्वरूप आधुनिक सभ्यता के समर्थक होने का ढोंग करते हैं, परंतु अंततः वे अपनी कायरता के कारण रूढ़ियों के आगे घुटने टेक देते हैं।" एकांकी के प्रसंगों के आधार पर इस कथन की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए.

उत्तर - .....

.....  
.....  
.....  
.....  
.....

**Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)**

**प्रश्न 9.** "रीढ़ की हड्डी" एकांकी के अंत में जब पर्दा गिरता है, तो पाठक के मन में उमा के प्रति गहरी सहानुभूति और समाज के प्रति एक नया दृष्टिकोण जागृत होता है. यदि आप उमा के सहपाठी होते, तो समाज में लड़कियों के सम्मान की रक्षा और शंकर जैसे 'रीढ़विहीन' युवकों को सबक सिखाने के लिए क्या रचनात्मक और व्यावहारिक प्रयास करते?

उत्तर - .....

.....  
.....  
.....  
.....  
.....  
.....

## उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 2)

1. **उत्तर:** (ख) नारी शिक्षा, उनका स्वावलंबन और आत्मबल।
2. **उत्तर:** (ख) पुनरुक्त क्रिया-विशेषण शब्द-युग्म (स्थान या क्रम दर्शाने के कारण)।
3. **उत्तर:** (क) 'ई' (दकियानूस + ई) और 'आहट/हट' (खिसिया + हट)।
4. **उत्तर:** यह वाक्य रामस्वरूप ने अपने नौकर रतन से उस समय कहा था जब रतन ने तख्त बिछाने के बाद नासमझी में पूछा था कि "बिछा दें साहब?"
5. **उत्तर:** \* *अधीर:* धैर्य से रहित, उतावला या व्याकुल।
  - *निहायत:* अत्यधिक, अत्यंत या बहुत ज्यादा।
6. **उत्तर:** शंकर लड़कियों के हॉस्टल के आसपास आवारागर्दी करते हुए पकड़ा गया था और वहाँ बुरी तरह बेइज्जत होकर, डांट खाकर, अपना मुँह छिपाकर कायरों की तरह भागा था।
7. **उत्तर:** उमा कहती है कि जब खरीदार मेज़-कुर्सी खरीदता है, तो वह वस्तु से उसकी पसंद नहीं पूछता, केवल उसकी नाप-तोल करता है। इसी प्रकार समाज में लड़कियों को बिना उनकी इच्छा जाने, केवल सुंदर सजाकर लड़कों के सामने नुमाइश के लिए पेश किया जाता है, जो उनके मानवीय अस्तित्व का घोर अपमान है।
8. **उत्तर:** बाबू रामस्वरूप का चरित्र खोखली आधुनिकता का शिकार है। वे अपनी बेटी को पढ़ाते तो हैं, परंतु जब समाज के संकीर्ण नियमों के सामने खड़े होने की बात आती है, तो वे डर जाते हैं। वे गोपालप्रसाद के दकियानूसी और स्त्रियों को कमतर आंकने वाले विचारों का डटकर विरोध करने के बजाय उनकी हाँ में हाँ मिलाने और चाय-समोसे खिलाकर उनकी चापलूसी करते हैं। वे अपनी बेटी को पाउडर लगाने और चश्मा छिपाने के लिए मजबूर करते हैं, जो उनकी चारित्रिक कमजोरी और रूढ़ियों के आगे घुटने टेकने की मजबूरी को दिखाता है।
9. **उत्तर (HOTS - छात्र के रचनात्मक प्रयास):** उमा का सहपाठी होने के नाते मेरे निम्नलिखित ५ मुख्य कदम होते:
  - १. **वैचारिक संबल:** मैं विद्यालय और बाल-सभा के माध्यम से उमा जैसी साहसी लड़कियों के विचारों का पुरजोर समर्थन करता और समाज में स्त्री-शिक्षा की अनिवार्यता पर नुक्कड़ नाटक आयोजित करता।
  - २. **शंकर जैसे युवकों का सामाजिक बहिष्कार:** लड़कियों के हॉस्टल के बाहर आवारागर्दी करने वाले और बिना रीढ़ की हड्डी वाले शंकर जैसे लड़कों की पोल पूरी कक्षा और समाज के सामने खोलकर उन्हें शर्मिंदा करता।
  - ३. **समानता का संदेश:** लड़कों को यह समझाना कि पढ़ाई और काबिल होना केवल पुरुषों का एकाधिकार नहीं है; महिलाएँ हर क्षेत्र में पुरुषों के बराबर या उनसे श्रेष्ठ हैं।
  - ४. **दिखावे की रस्मों का विरोध:** विवाह के नाम पर लड़कियों को वस्तु की तरह पेश करने और उनकी 'नाप-तोल' करने वाली रूढ़िवादी बैठकों का डटकर विरोध करता।
  - ५. **स्वावलंबन कार्यशाला:** अपनी सहेलियों और बहनों को आत्मरक्षा (Self-defense) और उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक करता ताकि वे किसी भी पाखंडी कसाई जैसे खरीदार के सामने झुकने से साफ़ मना कर सकें।

